**सीन 3**

**लाइट्स अप। राम और सीता सावधानी से जंगल में घूम रहे हैं, इधर-उधर देख रहे हैं। राम के भाई लक्ष्मण आगे चल रहे हैं। बैकग्राउंड में जंगल की आवाजें सुनी जा सकती हैं।**

रमा: भाई, हमारे साथ यात्रा करना आपकी तरह है।

लक्ष्मण : पिता ने बहुत बड़ी भूल की है। उसके विचारों में उस स्त्री ने जहर घोल दिया है। मैं इस जंगल को अच्छी तरह जानता हूं और घर बनाने में आपकी मदद कर सकता हूं।

सीता: हम आपकी दया के लिए हमेशा आभारी हैं, लक्ष्मण।

लक्ष्मण: जंगल एक जंगली और खतरनाक जगह है, अपना कदम देखो।

**राम, सीता और लक्ष्मण मंच से बाहर निकलते हैं और रोशनी करते हैं।**